न्यायिक क्षेत्र में हो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग : प्रो. सिंह

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

सिद्धार्थ लॉ कॉलेज व सिद्धार्थ इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी में न्यायिक सृजनात्मकता एवं ड्रग डिस्कवरी विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय गोष्ठी शुरू हो गई। गोष्ठी में आर्टिफिशिय इंटेलिजेंस समेत विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई।

बृहस्पतिवार को गोष्ठी का शुभारंभ उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने किया। बतौर मुख्य अतिथि प्रो. ओंकार सिंह ने न्यायिक क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं, शिक्षकों व छात्रों से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग कर वर्चुअल ज्यूडिशियल मदद देने के लिए प्लेटफार्म तैयार करने का आह्वान किया। इसके लिए अब तक डिजिटल स्वरूप में उपलब्ध न्यायालयों के निर्णयों के डेटाबेस का उपयोग करें और प्राथमिक सलाह देने के लिए एप्लीकेशन तैयार करें। प्रो. सिंह ने फार्मेसी के शोधकर्ताओं को भी आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से देश की सामाजिक व आर्थिक विषमताओं को ध्यान में रखकर ड्रग डिस्कवरी पर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि अंतिम पायदान के व्यक्ति को भी स्वस्थ जीवन यापन के अवसर उपलब्ध हो सकें।

■ सिद्धार्थ ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस में राष्ट्रीय गोष्ठी शुरू

■ गोष्ठी में आर्टिफिशिय इंटेलिजेंस समेत विभिन्न पहलुओं पर चर्चा

बतौर विशिष्ट अतिथि हिमालयान वैलनेस कंपनी के अध्यक्ष डा. एस फारूक ने कहा कि भारत का ड्रग प्रोडक्शन में विश्व में तीसरा स्थान है, क्वालिटी में भारत की 14वीं रैंक है। ड्रग प्रोडक्शन में गुणवत्ता बढ़ाने के लिए निरंतर शोध होना जरूरी है। एपीटीआई उत्तराखंड शाखा के अध्यक्ष राजीव शर्मा ने कहा कि फार्मा कंपनियों का लक्ष्य केवल लाभ कमाना नहीं, बल्कि समाज में चिकित्सा पद्धति को सहयोग देना भी है। आरएस रिसर्च फाउंडेशन आफ एडमिनिस्ट्रेशन एंड पलिसी के डायरेक्टर डा. सुशील कुमार सिंह ने सरल भाषा शैली में छात्रों को संविधानवाद का महत्व समझाया। सिद्धार्थ लॉ कालेज के डायरेक्टर वीके माहेश्वरी ने संविधानवाद की थीम को उत्कृष्ट बताते हुए उसके महत्व को समझने पर जोर दिया। संस्थान के अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद वर्मा ने राष्ट्रीय स्तर पर एक एकीकृत रिसर्च सेंटर बनाए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अलग-अलग संस्थानों में छोटे स्तर पर रिसर्च करने के सकारात्मक परिणाम नहीं होते। राष्ट्रीय स्तर पर मंच मिलने से रिसर्च करने में आसानी होगी।

उद्घाटन सत्र के बाद तकनीकी सत्रों में विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों ने चर्चा की। इस मौके पर डा. जयंत सिंह, डा.अर्चना शर्मा, डा. रत्नेश श्रीवास्तव, डा. गिरीश कुमार, कपिल, डा.वकार इकबाल, डा.फूल सिंह, रिचा शर्मा, डा. संदीप चौधरी, डा. विनोद तिवारी, डा. अजय शर्मा, डा. आर्य लक्ष्मी, प्राचार्य डा.संजय कुमार सिंह, प्राचार्य डा. शराफत अली, एडमिन डायरेक्टर के. त्यागी, नर्सिंग कालेज के प्राचार्य डा. अनिल कुमार आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन श्रेया रावत व मनीषा नेगी ने किया।

मच्छ